



सुन लोग परोसी मुल्क

शशिकांत निशांत शर्मा 'साहिल'

जब तक है साँस हम लड़ते रहेंगे
हम भी टिके पैर जमाकर
हम तो बार बार कहते रहेंगे
आप भले ही न सुने सुनकर
अमन चैन का कब छोड़ा हमने दमन
हम कह कर नहीं सुनते, दिखाते हैं करकर
जंग का कब किया है सिफारिस हमारा वतन
और न ही सिखलाती है जीना उरकर
दोस्तों से दोस्ती निभाएंगे
दुश्मनों का करेंगे संहार
जैसा चाहोगे वैसा मिलगे परिणाम
रखते हैं हम भी संभले
म्यान में तलवार और हाथ में हार
आप कितना भी कर लो नफरत
हम तो करेंगे परोसी मुल्क से प्यार
शहीद होते हैं वीर जवान गले लगाकर
....